(गद्य से 1 प्रश्न)   4 MARKS

1. **कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।**

कर्नाटक के प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है।पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिम घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

2. **कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला का परिचय दीजिए।**

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी,ऐहोले,पट्टदकल्लु में जो मंदिर, हैं उनकी वास्तुकला अद्‌भुत है। बेलूरु, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती है। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहाँनियाँ सुनाती हैं। श्रवणबेलगोला में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है। विजयपुरा के गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। मैसूरु का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

3. **कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है?**

कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंपा, रन्ना, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि महान काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य को समृद्ध बनाया है।

(पद्यभाग पूर्ण कीजिए)   4 MARKS

4. **कविता : कोशिशि करनेवालों की कभी हार नहीं होती**

कवि : सोहनलाल द्विवेदी

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय–जयकार नहीं होती,
कोशिशि करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

5. **कविता : दोहे**

कवि : तुलसीदास

मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥
जड़ चेतन गुण –दोषमय विस्व कीन्ह करतार।
संत–हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार॥
दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँड़िये, जब लग घट में प्राण ।।
तुलसी साथी विपत्ति के, विद्‌या विनय विवेक ।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥
राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ,जो चाहसी उजियार ।

(गद्‌य से 2 प्रश्न +पद्‌य से 2 प्रश्न) 3 MARKS

1. **नोट भुनाने गये बसंत लौट ना सका क्यों ?**

   नोट भुनाने गये बसंत लौट ना सका क्यों कि जब नोट भुनाकर वापस लौट रहा था। वह एक मोटार के नीचे आ गया। उसका सामान, पैसे, सब बिखर गए। उसके दोनो पैर कुचल गए।

2. **बसंत एक ईमानदार और स्वाभिमान लड़का है। कैसे?**

   अथवा

   बसंत की ईमानदारी और स्वाभिमानता गुणों के बारे में बताइए?

   बसंत एक स्वाभिमान लड़का है, पं.राजकिशोर ऐसे ही दो पैसे देता है, बसंत उस पैसे को भीख मानकर इनकार करता है।

   बसंत ईमानदार लड़का है, जब नोट भुनाकर वापस लौट रहा था, एक मोटार के नीचे आ गया। उसका सामान, पैसे, सब बिखर गए। उसके दोनो पैर कुचल गए। वह बेहोश हो गया। होश आने पर प्रताप द्वारा साढ़े चौदह आने पं.राजकिशोर को लौटाता है।

3. **पं.राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।**

   पं.राजकिशोर मज़दूरों के नेता थे। पं.राजकिशोर दयावान थे; रास्ते में एक बालक की स्वाभिमानता देखकर, आवश्यक न रहने पर भी छलनी खरीदता है। पं.राजकिशोर करुणामयी थे; बसंत मोटार दुर्घटना में घायल होने की बात सुनकर तुरंत उसके देखपाल करने चलता है। डॉक्टर की सूचना पर अस्पताल ले चलता है।

4. **दक्षिणि शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारें में लिखिए।**

दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी। उस ऊँचाई पर तेज़ हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे। जिससे कुछ दिखाई नहीं रहा था। उन्होंने देखा कि थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी नीची चली गई है। उनकी साँस मानो एकदम रुक गई थी। उन्हे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है। 23 मई, 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर वे एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थी।

5. **महिला की साहस गाथा पाठ से पाठकों को क्या संदेश मिलता है ?**

इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।'

6. **भारत माँ के प्रकृति–सौंदर्य का वर्णन कीजिए।**

भारत माँ के खेत सुहाने और हरे–भरे हैं। यहाँ के वन–उपवन फल–फूलों से युत है। इस के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। इस सुख–संपत्ति और धन–धाम को माँ मुक्त हस्त से बाँट रही है।

7. **मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?**

मातृभूमि एक हाथ में न्याय–पताका और दूसरे हाथ में ज्ञानदीप लिए सुशोभित है। भारत माँ के साथ कोटि–कोटि भारतीय हैं। यहाँ सकल नगर और ग्राम में जय–हिंद का नाद गूँज उठा है।

8. **भावार्थ लिखिए:**

मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

कविता : दोहे

कवि : तुलसीदास

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में मुख अर्थात मुहँ और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए कहा है कि मुखिया को मुहँ के समान होना चाहिए। मुहँ खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकिन उससे सारे शरीर के अंगों का पालन–पोषण करता है। मुखिया भी ऐसे ही होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

9. **तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।**

साहस सुकृति सुस्त्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

कविता : दोहे

कवि : तुलसीदास

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कह रहें हैं कि मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक उसका साथ निभाते हैं। उसी प्रकार जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

(गद्य से 6 प्रश्न + पद्य से 3 प्रश्न + पूरक वाचन से 2 प्रश्न) 2 MARKS

1. **सेब की हालत के बारे में लिखिए ।**

एक सेब सड़ा हुआ था, एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था। दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था। तीसरा सेब एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था। चौथा सेब बेदाग था; पर उसमें काला सुराख था, जैसे बेरों में होते हैं, भीतर वैसे ही धब्बे, जैसे बेर में होते हैं।

2. **लेखक दूकानदार को क्षमा के लिए योग्य ना मानते थे । क्यों ?**

लेखक दूकानदार को क्षमा के लिए योग्य ना मानते थे क्यों कि चार के चार सेब सड़ा हुआ था और दुकानदार जानबूझकर लेखक के साथ दोखेबाजी का व्यवहार किया था।

3. **आज शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार करने की प्रवृत्ति हो गई है ?**

आज शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटिन के बारे में विचार करने की प्रवृत्ति हो गई है।

4. **लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?**

लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लाई, रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के उपरान्त मुहँ में एक बूँद पानी टपकाया।

5. **लेखिका को चौंकाने के लिए गिल्लू कहाँ छिप जाता था ?**

लेखिका को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे की नीचे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

6. **लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या क्या करता था ?**

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता।

7. **नमाज़ के बारे में जैनुलाब्दीन क्या कहते थे ?**

जैनुलाब्दीन कहते थे–' जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड़ का एक हिस्सा बन जाते हो;जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म–पंथ का कोइ भेद–भाव नहीं होता।'

8. **आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या–क्या देती थीं?**

आशियम्मा जी अब्दुल कलाम के सामने केले का पत्ता बिछातीं और उस पर चावल एवं सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार डालती; साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी देती थी ।

9. **अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने का कारण लिखिए ?**

घर में आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं इसलिए अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

10. **व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?**

इंटरनेट द्वारा घर पर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं और कोई भी बिल भर सकते हैं। इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह चाहे जितना भी रकम हो भेजी जा सकती है।

11. **ई–गवर्नेंस जनता के लिए कैसे उपयोगी है ?**

ई–गवर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

12. **इंटरनेट का मतलब क्या है?**

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

13. **धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?**

धीरज सक्सेना का परिवार बड़ा था। नौकर साधोराम अस्पताल पहुँचने से घर में सभी की तकलीफें बढ़ गईं। धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दुःख नहीं सहा गया इसलिए घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय लिया ।

14. **धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी?**

अपने नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड़ प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत थी।

15. **कृष्ण अपनी माता यशोद के प्रति क्यों नाराज़ है ?**

कृष्ण अपनी माता यशोद के प्रति नाराज़ है क्यों कि यशोदा हमेशा कृष्ण को मारती है, बलराम को मारती नहीं।

16. **कृष्ण के क्रोध को माता यशोदा कैसे शांत करती है ?**

यशोदा कृष्ण के क्रोध को शांत करने के लिए कहती है– बलराम जन्म से ही दुष्ट है। गोधन की कसम खाकर कहती हूँ , मैं ही तुम्हारी माता हूँ और तू ही मेरा पुत्र है।

17. **बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से क्या शिकायतें करता है ?**

बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से बलराम के प्रति यह शिकायत करता है– "बलराम मुझसे कहता है , यशोदा ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। नंद–यशोदा गोरे हैं पर तू काला है। ग्वाल मित्र चुटकी बजाकर हँसी–मज़ाक करते हैं। बलराम ने ही उन्हे ऐसा करना सिखाया है।

18. **दिनकर जी के अनुसार मानव का श्रेय किसमें है ?**

दिनकर जी के अनुसार मानव का श्रेय उसका बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत में है, मानव की असीमित मानवों से प्रीत में हैं।

19. **दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?**

मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी कॊ मिटाता है वही मानव कहलाने योग्य है।

20. **समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?**

आलसीपन छोड़ना है। कल क्या होगा, कौन जानता है। जो काम करना है, वह अभि करना है।

21. **मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?**

समय व्यर्थ ना कर मन लगाकर परिश्रम करने पर मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति संभव है।

22. **शनि को शनैःश्चर क्यों कहते हैं ?**

आकाश के गोल पर यह ग्रह बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है। इसलिए शनि को शनैःश्चर कहते हैं।

23. **शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है क्यों ?**

शनि ग्रह सूर्य से बहुत दूर है। इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है। शनि के वायुमंड़ल का तापमान शून्य के नीचे 150^0 के आसपास रहता है । इसलिए शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है।

24. **शनि किसका पुत्र है ? शनैःचर क अर्थ क्या है ?**

शनि सूर्य का पुत्र है। शनैःचर क अर्थ है– धीमी गति से चलनेवाला।

25. **सनीचर का नाम लेते ही अंधविश्वासियों की रूह काँपने लगती है, क्यों ?**

सनीचर का नाम लेते ही अंधविश्वासियों की रूह काँपने लगती है, क्यों कि, एक बार यदि यह ग्रह किसी की राशि में पहुँच जाये, तो फिर साढ़े सात साल तक उसकी खैर नहीं।

26. **शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?**

शनि का वायुमंडल हाईड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

27. **एक नागरिक की हैसियत से हमें किनका आदर करना चाहिए ?**

एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए।

28. **शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है** ?

शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार समझाया गया है–'सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम्' अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।

29. **'सत्य की शक्ति ' के बारे में महात्मा गाँधी का कथन क्या है ?**

'सत्य की शक्ति ' के बारे में महात्मा गाँधी का कथन है–"सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं।

(गद्य से 4 प्रश्न + पद्य से 2 प्रश्न) 1 MARK

1. **अब्दुल कलाम का बचपन कैसे बीता ?**

अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

2. **अब्दुल कलाम जी का बचपन किस घर में बीता ?**

अब्दुल कलाम जी का बचपन अपने पुश्तैनी घर में बीता जो चूने–पत्थर व ईंट से बना पक्का और बड़ा था।

3. **अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे ?**

अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

4. **' बसंत सच्चाई ' एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है ?**

' बसंत सच्चाई ' एकांकी का प्रथम दृश्य बाज़ार में घटता ह॥

5. **बसंत क्या–क्या बेचता था ?**

बसंत छलनी, देसीबटन, दियासलाई बेचता था।

6. **बसंत राजकिशोर से बार–बार विनती क्यों कर रहा था?**

बसंत राजकिशोर से बार–बार विनती कर रहा था क्यों कि सुबह से एक वस्तु भी नहीं बिका था।

7. **लेखक परसाई जी को कहाँ ठहराया गया ?**

लेखक परसाई जी को होटेल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।

8. **ब्रीफकेस में क्या था ?**

ब्रीफकेस में कागज़ात थे।

9. **दोस्तों की मुलाकात पहले किससे हुई ?**

दोस्तों की मुलाकात पहले हाथी से हुई।

10. **हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ?**

हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले।

11. **सब जानवरों की बात सुनकर दोस्तों ने क्या किया ?**

सब जानवरों की बात सुनकर दोस्तों ने मकान बनाने का काम शुरु किया।

12. **परमाणु मनुष्य के करों को देखकर क्यों काँपते हैं?**

परमाणु मनुष्य के करों को देखकर काँपते हैं क्यों कि वह पकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है।

13. **मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?**

मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।

14. **समय किसका दिया हुआ अनुपम देन है ?**

समय ईश का दिया हुआ अनुपम देन है।

15. **समय के खोने से क्या होता है ?**

समय के खोने से सर्वथा पछताना पड़ता है।

16. **बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?**

बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

अनुवाद 4 MARKS

1. गाज़र पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।

   ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

2. दूकानदार ने कहा–बड़े मज़ेदार सेब आये हैं।

   ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ - ಬಹಳ ಸ್ವಾದಿಷ್ಟದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ.

3. एक सेब भी खाने लायक नहीं।

   ಒಂದೂ ಸೇಬು ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ

4. दूकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।

   ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

5. कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुहँ में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

   ಹಲವು ಘಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರುಣಿಸಲಾಯಿತು.

6. बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया।

   ಬಹಳ ಕಷ್ಟದಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಬಳಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

7. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था ।

   ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಬಳಿ ಇಟ್ಟ ಮಡಿಕೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.

8. दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न बाहर गया ।

   ದಿನವಿಡಿ ಗಿಲ್ಲೂ ಏನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ ಆಚೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ

9. उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है।

   ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷ .

10. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका ।

    ಬೆಳಗಿನಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೂ ಏನೂ ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.

11. मैं भीख नहीं लूँगा ।

    ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ಪಡೆಯುವುದಿಲ್ಲ.

12. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले आया ।

    ಬಹಳ ಪ್ರಯಾಸದಿಂದ ಬಸಂತ್‌ನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆತಂದೆ.

13. बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है।

    ಬಸಂತ್ ತುಟಿ ಬಿಗಿ ಹಿಡಿದು ನರಳಿದ.

14. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है ।

    ಇವನು ಬಡವ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಪರೂಪದ ಗುಣವಿದೆ.

15. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

ಅಂತರ್ಜಾಲ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಒಂದು ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

16. इंटरनेट द्वारा घर पर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಕುಳಿತು ಖರೀದಿ ಮಾಡಬಹುದು.

17. इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते हैं ।

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಬಹುದು.

18. हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे।

ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು ಹೋಗುವ ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಪ್ರಯಾಣ ಧರವನ್ನು ನೀಡುತ್ತೇವೆ.

19. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ।

ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

20. अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा ।

ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ. ನಿಂತರೆ ನಾನೂ ಕಳುವಾಗುತ್ತೇನೆ.

21. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया ।

ಎಮ್ಮೆಯು ಮಿತ್ರರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರ ತೋರಿಸಿತು.

22. साँप ने कहा, 'आगे की बात मैं नहीं जानता।'

ಸರ್ಪ ಹೇಳಿತು, ಮುಂದಿನ ವಿಷಯ ನಾನು ತಿಳಿದಿಲ್ಲ.

23. हाथी बोला, 'इसमें क्या कठिनाई है?'

ಆನೆ ಹೇಳಿತು, ' ಇದರಲ್ಲಿ ಕಷ್ಟವೇನಿದೆ?.

24. तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी।

ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತಿತ್ತು.

25. बिछेंद्री का जन्म साधारण परिवार में हुआ।

ಬಿಛೇಂದ್ರಿರವರ ಜನ್ಮ ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.

26. बिछेंद्री को रोज़ पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।

ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತಿದಿನ ನಡೆದುಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಿತ್ತು

27. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।

ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.

28. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है ।

ಸಫಲತೆ ತುಂಬಾ ಹತ್ತಿರವಿದೆಯೆಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು.

29. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी।

ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್‌ನ ತುದಿಯ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆ.

30. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ, ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.

31. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಚಂದನದ ಮರಗಳು ಹೇರಳವಾಗಿವೆ.

32. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

ಜಗನ್ಮೋಹನ್ ರಾಜಮಹಲ್‌ನ ಪುರಾತತ್ವ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

33. वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರು.

पत्रलेखन

स्थान: कादलवेणी

दिनांक: 19-01-2018

प्रेषक,

नाम ____________

10वीं कक्षा

सरकारी हाईस्कूल

कादलवेणी

सेवा में,

प्रधानाद्यपक

सरकारी हाईस्कूल

कादलवेणी

आदरणीय महोदय,

विषय: तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना हेतु

उपर्युक्त विषयानुसार आपसे सविनय निवेदन है कि मैं अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए बेंगलूरु जा रहा हूँ।

इसलिए मैं चार दिन तक स्कूल में उपस्थित रह नहीं पाऊँगा। मुझे दिनांक: 20-01-2018 से दिनांक: 22-01-2018 तक चार दिन की छुट्टी प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद

अभिभावक के हस्ताक्षर

भवदीय

____

नाम: ________

निबंध शीर्षक: स्वच्छ भारत अभियान

अर्थ :माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाया गया भारत सरकार का एक सफाई अभियान है। स्वच्छ भारत अभियान को स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है| यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही है जो की शहरों और गावों की सफाई के लिए आरम्भ की गयी है । इस अभियान में शौचालयों का निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, गलियों व सड़कों की सफाई, देश के बुनियादी ढांचे को बदलना आदि शामिल है।

शुरुआत: इस अभियान को आधिकारिक तौर पर राजघाट, नई दिल्ली में 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। | यह राजघाट, नई दिल्ली जो की महात्मा गांधी का अंतिम संस्कार का स्थान में शुरू किया गया था। भारत सरकार २ अक्टूबर 2019 तक भारत को स्वच्छ भारत बनाने का उद्देश्य रखी है जो की महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती होगी|

देशभक्ति प्रेरित अभियान : यह एक राजनीति मुक्त अभियान है और देशभक्ति से प्रेरित है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक जिम्मेदारी है और इस देश को स्वच्छ देश बनाने के लिए हर भारतीय नागरिक की भागीदारी की आवश्यकता है| इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्व स्तर पर लोगों ने पहल की है|

निर्मला कर्नाटक : 2015 में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्य जी ने निर्मला कर्नाटक नाम से एक और स्वच्छता पहल की शुरूआत की है स्वच्छ भारत अभियान में साथ जोडा है।

विद्यालयओं में अभियान : शिक्षक और स्कूल के छात्र इसमें पूर्ण उत्साह और उल्लास के साथ शामिल हो रहे है और 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने का प्रयास कर रहे है|

- भारत के हर घर में शौचालय हो।
- खुले में शौच की प्रवृति को भी खत्म करें।
- अस्वास्थ्यकर शौचालय को पानी से बहाने वाले शौचालयों से बदलना।
- हाथ के द्वारा की जाने वाली साफ–सफाई की व्यवस्था का जड़ से निकालना।
- नगर निगम के कचरे का पुनरचक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन करना ।
- वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना।
- खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वाभाव में परिवर्तन लाना ।
- स्वास्थ्यकर साफ–सफाई की प्रक्रियों का पालन करना।
- पूरे भारत में साफ–सफाई की सुविधा को विकसित करना
- भारत को स्वच्छ और हरियाली युक्त बनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- समुदायों और पंचायतीराज संस्थानों को निरंतर साफ–सफाई के प्रति जागरुक करना।
- वास्तव में बापू के सपनों को सच करने के लिये ये सब करना है।

उपसंहार : इस तरह हम कह सकते है कि 2019 तक भारत को स्वच्छ और हरा–भरा बनाने के लिये स्वच्छ भारत अभियान एक स्वागत योग्य कदम है।

निबंध शीर्षक: इंटरनेट की क्रांति

अर्थ: इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

संचार व सूचना क्षेत्र में इंटरनेट: इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज़्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, चित्र हो, वीडियो हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। पूरे एक पुस्तकालय की किताबेओं को कम समय में कहीं भी भेज सकते हो।

व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट: इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।

वीडियो कान्फरेन्स: वीडियो कान्फरेन्स द्वारा विभिन्न जगह में रहनेवाले प्रतिनिधियों से दूरदर्शन के परदे में आपस में देखकर एक साथ विचार विनिमय कर सकते हैं

इनफारमेशन टैक्नोलाजी: इनफारमेशन टैक्नोलाजी और इनफरमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्वीसस द्वारा अनगिनत लोगों को रोज़गारी मिली है। देश की अर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

सोशल नेटवर्किंग: सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। इससे दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साईटस हैं:– फेसबुक, वाट्सआप, ट्विट्टर आदि। इन साईटों के कारण देश–विदेश के रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान, संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

ई–प्रशासन: ई –गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

इंटरनेट एक वरदान: इंटरनेट सचमुच एक वर्दान है। चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में इसका कमाल दिखाया है। देश की रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

इंटरनेट एक अभिशाप : इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरेसी, बैंकिंग फ्राड़, हैकिंग आदि बड़ रही है। मुक्त बबसाइट, चैटिंग से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इसकी कबंध बाहों के पाश में फँसे हुए हैं। समय का दुरुपयोग हो रहा है। अनावश्यक और अनुप्युक्त जानकारी हासिल कर रहें हैं।

उपसंहार: इंटरनेट का सदुपयोग कर के प्रगति की ओर बढ़ना हैं। ज्ञान प्राप्ति के लिए बच्चे इसक उपयोग करें। इंटरनेट की सेवाओं का लाभ उठाकर युवा अपना बेरोजगारी मिटाए।